www.sgbauonline.com

AU–1938

B.A. (Part–II) Examination

(Optional Subject)

HINDI (Literature)

(Literatures of Modern Languages)

समय : तीन घंटा] [पूर्णांक : 100

1. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 20

(अ) "किरण तुम क्यों बिखरी हो आज, रंगी हो तुम किसके अनुराग ?
स्वर्ण-सरसिज-किंजल्क समान, उड़ाती हो परमाणु पराग
धरा पर झुकी प्रार्थना सदृश्य, मधुर मुरली-सी फिर भी मौन,
किसी अज्ञात विश्व की विकल वेदना-दूती-सी तुम कौन ?
अरुण शिशु के मुख पर सविलास, सुनहरी लट घुँघराली कान्त
नाचती हो जैसे तुम कौन ? उषा के अंचल में अश्रान्त ।"

अथवा

"सवा सवा लाख पर
एक को चढ़ाऊँगा,
गोविंद सिंह निज
नाम जब कहाऊँगा ।"
किसी ने सुनाया यह
वीर-जन-मोहन अति
दुर्जय संग्राम-राग,
फाग था खेला रण
बारहों महिने में ?
शेरों के माँद में
आया है आज स्यार-
जागो फिर एक बार !

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(आ) भीड़-मसक है कसक हमारी और गमक है हूक;
चातक की हुत-हृदय-हूति जो, सो कोईल की कूक ।
राग है सब मूर्च्छित आहवान ।
रुदन का हँसना ही तो गान ।
छेड़ो न वे लता के छाले, उड़ जावेगी धूल,
हलके हाथों प्रभु के अर्पण कर दो उसके फूल
गंध है जिनका जीवन-दान ।
रुदन का हँसना ही तो गान ।

अथवा

मृदु मिट्टी के हैं बने हुए,
मधुघट फूटा ही करते हैं ।
लघु जीवन लेकर आए हैं,
प्याले टूटा ही करते हैं,
फिर भी मदिरालय के अंदर
मधु के घट हैं, मधु प्याले हैं,
जो मादकता के मारे हैं,
वे मधु लूटा ही करते हैं,
वह कच्चा पीनेवाला है
जिसकी ममता घट-प्यालों पर,
जो सच्चे मधु से जला हुआ
कब रोता है, चिल्लाता है !
जो बीत गई सो बात गई !

2. प्रस्तुत गद्यांश की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 10

मैं तर्क करने नहीं आया हूँ । मै तो एक ऐसे संसार की ओर आपका ध्यान खींचना चाहता हूँ। जो कि आपके निकट होते हुये भी आपकी आँखों से ओझल हो गया है । इस मंदिर में बरसों से 1200 से ऊपर शिल्पी काम कर रहे हैं । इसमें से कितनों की पीड़ा से आप परिचित हैं ? जानते हैं आप कि महामात्य के भृत्यों ने इनमें से बहुतों की जमीन छीन ली है ; कइयों की स्त्रियों को दासियों की तरह काम करना पड़ा है और उधर सारे उत्कल में अकाल पड़ रहा है ।

अथवा

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

वह सुनिए, मृत्यु की फैलती छाया में अत्याचारी से जूझनेवाले वीरों की पुकार सुनिए । क्या मैं उसे अनसुनी कर दूँ ? उन्हें मेरी जरुरत है । शीतल होती हुई यज्ञ की अग्नि में एक बार फिर से आहुति की आवश्यकता है, शायद वह अंतिम आहुति हो ।

3. 'अकाल दर्शन' में धूमिल ने हमारे देश की जनता की यथार्थ स्थिति को चित्रित किया है सिद्ध कीजिए ।

अथवा

'नदी के द्वीप' कविता का भावार्थ लिखिए । 10

4. "कोणार्क" नाटक के माध्यम से जगदीशचंद्र माथुर ने इतिहास को पुनर्जीवित किया है सिद्ध कीजिए ।

अथवा

धर्मपद आशुशिल्पी के साथ-साथ शूरवीर भी है नाटक के आधार पर उसकी चरित्रगत विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । 10

5. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिये : 20

(क) 'पर्दे की पीछे' एकांकी में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'स्ट्राईक' कहानी में स्त्री और पुरुष के संबंध मुख्य कथ्य हैं' लिखिये ।

(ग) श्रीधर के चरित्र का वर्णन कीजिए ।

(घ) 'पर्दे के पीछे' कहानी के उद्देश्य को समझाइए ।

(ङ) भारवी और सुशीला की स्नेह भावना को रेखांकित कीजिए ।

(च) शारदा के माध्यम से विष्णु प्रभाकर समस्त भारतीय नारी की व्यथा अभिव्यक्त करते हैं - कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(छ) "रीढ़ की हड्डी" कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

6. भक्तिकाल की प्रवृत्तियों को स्पष्ट करते हुए इस काल के कवियों का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

रीतिकाल का परिचय देते हुए रीतिकाल की विशेषताओं को विशद कीजिए । 10

7. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर नीचे दिये गये निर्देशानुसार दीजिए : 20

(क) काव्यकलश से :

(1) मैथिलीशरण गुप्त के ..... इस रचना के कारण राष्ट्रकवि का गौरव प्राप्त हुआ ।

(यशोधरा, भारत-भारती, पंचवटी)

(2) प्रसादजी ने ब्रजभाषा में कविता-सवैया की रचना की ।

(सत्य अथवा असत्य)

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(3) निराला कवि होने के साथ-साथ सफल ..... थे ।

(उपन्यासकार, गीतकार, नाटककार)

(4) बैर कराते मन्दिर मस्जिद, मेल कराती ..... ।

(5) अज्ञेय की कतिपय रचनाओं पर फ्रायड की विचारधारा का प्रभाव है । (सत्य अथवा असत्य)

(ख) कोणार्क से :

(1) कोणार्क यह .... देवता का मंदिर है

(2) धर्मपद की आयु ..... वर्ष है । (60, 26, 16)

(3) क्या हम भेड़ ... हैं ? (मेंढ़क, गाय, बकरियाँ)

(4) राजीव पाषाण कोर्त्तक है । (सत्य अथवा असत्य)

(5) मैं चालुक्य के आगे भीख माँगूंगा, मेरे बेटे के प्राण ..... । (यह कथन किसका है)

(ग) कलापूर्ण एकांकी से :

(1) प्रतिशोध कहानी के लेखक ..... हैं ।

(2) मशीन का पुरजा बिगड़ जाय तो पुरजा ..... डालिए ।

(3) 'पर्दे के पीछे कहानी' उदयशंकर भट्ट द्वारा रचित है । (सत्य अथवा असत्य)

(4) 'स्वप्नदर्शियों से प्रेम हो सकता है, पर निबाह होना कठिन है' (यह कथन किसका है) ।

(5) प्रेमा किस कहानी की पात्र है (स्ट्राईक, रीढ़ की हड्डी, और वह जा न सकी) ।

(घ) हिन्दी साहित्य के इतिहास से :

(1) "मोको कहाँ ढूँढे बंदे मैं तो तेरे पास रे
ना मैं मंदिर ना मैं मस्जिद ना काबे, कैलास रे ।
किसकी पंक्तियाँ हैं ? (रहीम, बिहारी, कबीर)

(2) हिन्दी साहित्य का कालविभाजन इनमें से किसने लिखा ? (प्रेमचंद, रहीम, रामचंद्र शुक्ल)।

(3) कबीर का काव्य सधुक्कडी भाषा में लिखा गया था । (सत्य अथवा असत्य)

(4) सूरसागर किसकी रचना है ? (सूर, तुलसी, कबीर)

(5) आधुनिक काल को इस नाम से भी जाना जाता है । (सतयुग, गद्यकाल, रीतिकाल)

www.sgbauonline.com